दिनांक - 29/04/2021

बी.एड - 2020-22

पेपर - CC-5 (अनुशासन एवं विषय की समस्या)

Q- "छात्रों से "अनुशासन विषय पर संवाद - स्थापित" करना"

Ans. - "अनुशासन स्थापन के प्रमुख साधन"

उत्तम अनुशासन की नींव विद्यालय के सम्पूर्ण कार्यक्रम में निहित है यदि विद्यालय में उत्तम अनुशासन स्थापित करना है तो प्रधानाध्यापक का परम कर्तव्य है कि विद्यालय के सम्पूर्ण वातावरण को उपयुक्त एवं सामंजस्यपूर्ण बनाए।

इसके लिए वह विभिन्न साधनों का प्रयोग कर सकता है, जिनका विवेचन निम्नलिखित है।

1 - सकारात्मक साधन (Positive Means)

1 - स्वशासन (Self-~~Govermement~~ Government

2 - विद्यालय के नियम एवं परम्पराएं

3 - पारस्परिक सहयोग

4 - उपयुक्त पाठ्यक्रम - सहगामी क्रियाओं की व्यवस्था।

Scanned with CamScanner

5- बाह्य प्रभावों पर नियंत्रण

6- नैतिक शिक्षा की व्यवस्था

7- विद्यालय - वातावरण एवं शैक्षिक सुविधाएँ

8- शिक्षक - अभिभावक सहयोग

9- पुरस्कार (Reward)

1- स्वशासन (Self-Government)

विद्यालय नियंत्रण में छात्रों के सहयोग से अनुशासन - स्थापन एवं विद्यालय के वातावरण को मार्मिक तथा सहयोग बनाने में पर्याप्त सहायता मिलती है, बालकों पर विद्यालय के प्रतिदिन सामान्य कार्यक्रम के लिए उत्तरदायित्व डालना ही उत्तम अनुशासन की स्थापना में महत्वपूर्ण सहायता है।
छात्र स्वयं अपने आचरण सम्बन्धी नियमों का निर्माण कर सकते है।
इसके अतिरिक्त उन पर विद्यालय की सफाई व्यक्तिगत स्वच्छता, विद्यालय सम्पत्ति की सुरक्षा, देर से आने वाले बालकों की समस्या, स्वास्थ्य सम्बन्धी नियमों की जानकारी एवं उनके प्रसार आदि का दायित्व डाला जा सकता है।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार उनके सहयोग से विद्यालय के सम्पूर्ण वातावरण को ऐसा बनाया जा सकता है, जिसमे रहकर वे स्वयं को अनुशासित करने मे समर्थ हो सके।

2- "विद्यालय के नियम एवं परम्पराएँ"

(Rules and Traditions of School)

अनुशासन स्थापन में विद्यालय के नियमो एवं परम्पराओं का बड़ा महत्वपूर्ण स्थान है, विद्यालय के नियमों का निर्माण विभिन्न शक्तियों द्वारा किया जाता है-

1- शिक्षा विभाग के नियम,

2- प्रबन्ध समिति द्वारा निर्मित नियम

3- प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक वर्ग द्वारा बनाए गए नियम,

4- छात्र-परिषद द्वारा निर्मित नियम,

Scanned with CamScanner